**केंद्रीय विद्यालय संगठन भोपाल संभाग**

**कक्षा 12वीं**

**विषय हिंदी (आधार)**

**अंक योजना**

निर्धारित समय-3 घंटे अधिकतम अंक-80

**सामान्य निर्देश:-**

*** अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |**

*** खंड-अ में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए |**

*** खंड-ब में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं| ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं |**

*** यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ|**

*** मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए |**

**खंड-अ (वस्तुपरक-प्रश्नों के उत्तर)**

प्र-1 उत्तर-

i. )घ( घबरा गए 1

ii. (घ) मन की शक्ति के कारण 1

iii. (ख) शांतिप्रिय तथा सुखेच्छु 1

iv. (ग) लगातार संघर्ष करने से 1

v. (ग) प्रभावी वातावरण का 1

vi. (क) उच्च चरित्र एवं साहस की कहानियाँ सुनाकर 1

vii. (घ) सभी का 1

viii. (क) विपरीत परिस्थितियों में 1

ix. (क) भय और विपत्ति की आशंका 1

x. (क) आशावान बने रहो 1

**अथवा**

i. (ग) समस्याएँ 1

ii. (ख) जीवन की प्रगति का 1

iii. (क) संघर्ष से डरना गलत है 1

iv. (घ) उपर्युक्त सभी 1

v. (ख) समस्या समाधान की 1

vi. (घ) समस्या-समाधान की प्रेरणा से 1

vii. (ग) जीवन में समस्याएँ तो होती है उन्हें स्वीकार करना चाहिए 1

viii. (ख) प्रेरणापरक 1

ix. (घ) दायित्वपूर्वक काम करने की 1

x. (ग) संघर्ष:सफलता का आधार 1

प्र-2 i. (ग) गिरि के शिखरों पर 1

ii. (क) मोती के सामान 1

iii. (क) इम 1

iv. (ख) बर्फ के कण 1

v. (ख) सफेद 1

**अथवा**

i. (ग) स्वयं घर छोड़ने वाले बेघर से 1

ii. (ख) ईंट-पत्थर जैसे अनेक साधन जुटाने पड़ते हैं 1

iii. (ग) संसार छोड़कर मस्तमौला रहना 1

iv. (घ) पैसे के संग्रह में आपसी मनमुटाव हो जाता है 1

v. (ख) द्वंद्व समास 1

प्र-3 i. (ग) अंशकालिक पत्रकार 1

ii. (ख) उल्टा पिरामिड शैली 1

iii. (घ) समाचार एजेंसी को समाचार पहुँचाने की अंतिम समय सीमा 1

iv. (क) इंट्रो, बॉडी, समापन 1

v. (घ) 6 1

प्र-4 i. (ख) तुलसीदास 1

ii. (ग) कवितावली 1

iii. (ग) पेट की आग 1

iv. (ख) समुद्र में लगने वाली आग से 1

v. (क) रूपक 1

प्र-5 i. (घ) नमक 1

ii. (ख) रज़िया सज्ज़ाद जहीर 1

iii. (ख) पाकिस्तानी कस्टम अधिकारी 1

iv. (ग) नमक 1

v. (क) सिख बीबी का 1

प्र-6 i. (ख) पीढ़ी अंतराल 1

ii. (क) जीवन की परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को बदल लेना ही उचित है 1

iii. (ख) आत्मकथात्मक 1

iv. (ख) मास्टर न.वा. सौंदलगेकर ने 1

v. (ख) पाकिस्तान के सिंध प्रांत में 1

vi. (ग) आर्य सभ्यता 1

vii. (ख) 200 हेक्टेयर 1

viii. (क) डच 1

ix. (ग) प्रकृति-प्रेमी नहीं 1

x. (घ) 8 लोग 1

**खंड(वर्णात्मक प्रश्नों के संभावित उत्तर संकेत) ब-**

प्र.7 उत्तर- भूमिका - 1 अंक

विषय वस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्र.8 उत्तर- आरंभ एवं अंत की औपचारिक्ताएँ - अंक 1

विषय वस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्र.9 उत्तर-

(क) कविता के मूल में संवेदना और राग तत्व हैं | यही संवेदना एवं राग-तत्व संपूर्ण सृष्टि से जुड़ने और उसे अपना बना लेने का बोध कराते हैं| विशेष रूप से संवेदना तत्व मानव मन पर अत्यंत गहरा प्रभाव डालता है | 3

**अथवा**

कहानी में पात्रों के संवाद इतने महत्वपूर्ण होते हैं कि इसके बिना पात्र की कल्पना करना मुश्किल होता है| संवाद ही कहानी को, पात्र को स्थापित, विकसित करते हैं और कहानी को गति देते हैं | 3

(ख) नाटक की भाषा अधिक-से-अधिक संक्षिप्त और सांकेतिक होनी चाहिए जो अपने-आप में वर्णित न होकर क्रियात्मक अधिक हो| इसमें प्रयुक्त शब्दों में दृश्य बनाने की भरपूर क्षमता हो तथा वह अपने शाब्दिक अर्थ से अधिक योजना की ओर ले जाए| 2

**अथवा**

संवाद नाटक का सबसे जरूरी और सशक्त माध्यम है| नाटक में इसके बिना तो काम ही नहीं चल सकता है | नाटक के लिए तनाव, उत्सुकता, रहस्य, रोमांच आदि तत्व अनिवार्य हैं| इसके लिए आपस में विरोधी विचारधाराओं का संवाद जरूरी होता है| 2

प्र.10 उत्तर-

(क) i) आलेख लिखते समय संबंधित विषय से जुड़े आंकड़ों उदाहरणों का संग्रह करना

आवश्यक होता है |

ii) लेखन से पूर्व विषय का चिंतन मनन कर के विषय वस्तु का विश्लेषण करना भी आवश्यक होता है | 3

**अथवा**

फ़ीचर लेखन के प्रमुख गुण- विश्वसनीयता, सरसता, प्रचलित शब्दावली, संक्षिप्तता, प्रासंगिकता | 3

(ख) यह समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय उपयोगी और बुनियादी शैली है| इसमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य सूचना पिरामिड के सबसे नीचे में न होकर ऊपर होता है| इस शैली में पिरामिड को उलट दिया जाता है| 2

**अथवा**

संपादकीय लेखन समाचार पत्र की अपनी आवाज होती है| संपादकीय के द्वारा किसी घटना, समस्या या मुद्दे के प्रति अपने विचार प्रकट करते हैं| संपादकीय बिना किसी के नाम के भी छापा जाता है| संपादकीय समाचार पत्र के संपादक और उनके सहयोगियों के द्वारा लिखा जाता है| 2

प्र.11 उत्तर - 3x2=6

(क) * माता पिता उनके लिए दाना-लाएँगे और उनका पेट भरेंगे |

* वे माता पिता के स्नेहिल स्पर्श पाने के लिए-प्रतीक्षा करते हैं |

(ख) कवि ने जीवन के सुखदुख की अनुभूतियों-, गरबीली-गरीबी, गहरे अनुभव, विचारों का वैभव, भावनाओं की बहती सरिता, व्यक्तित्व की दृढ़ता, इन सबको सहर्ष स्वीकारा है|

(ग) यह कविता अपनेपन की भावना में छिपी क्रूरता को व्यक्त करती है| सामाजिक उद्देश्यों के नाम पर अपाहिज की पीड़ा को जनता तक पहुँचाया जाता है| यह कार्य ऊपर से करुण भाव को दर्शाता है परंतु इसका वास्तविक उद्देश्य अपंगता को बेचना है| इसमें अपंग की पीड़ा से कोई लेना देना नहीं होता बल्कि दिखावटी अपनेपन की भावना क्रूरता की सीमा तक पहुँच जाती है|

प्र.12 उत्तर - 2x2=4

(क) * कवि ने नए उपमानो का प्रयोग किया है|

* ग्रामीण परिवेश के शब्दों का सहज प्रयोग किया गया है|

(ख) तुलसीदास जी ने दरिद्रता की तुलना रावण रुपी बुराई से की है, क्योंकि जिस प्रकार रावण के दस सिर बुराईयों के पुंज हैं उसी प्रकार ग़रीबी (दरिद्रता) भी बुराईयों की जड़ है|

(ग) इस अवसर पर घर में पुताई की जाती है तथा उसे सजाया जाता है| घरों में मिठाई के नाम पर चीनी के बने खिलौने आते हैं| रोशनी भी की जाती हैं| बच्चे के छोटे से घर में दिए के जलाने से माँ के मुखड़े की चमक में नई आभा आ जाती है|

प्र.13 उत्तर - 3x2=6

(क) भक्तिन देहाती महिला थी| शहर में आकर उसने स्वयं में कोई परिवर्तन नहीं किया| ऊपर से वह दूसरों को भी अपने अनुसार बना लेना चाहती है| उसने लेखिका को गाढ़ी दाल व मोटी रोटी, मकई का दलिया, तिल लगाकर बाजरे के बनाए हुए ठंडे पुए, ज्वार के बुने हुए भुट्टे के हरे-हरे दानों की खिचड़ी व सफेद महुए की लपसी खिलाना शुरू कर दिया| इसके अतिरिक्त उसने महादेवी को देहाती भाषा भी सिखा दी| इस प्रकार महादेवी भी देहाती बन गई|

(ख) बाज़ार की तड़कभड़क और रूप सौंदर्य से जब ग्-राहक खरीददारी करने को मजबूर हो जाता है तो उसे बाज़ार का जादू कहते हैं| वस्तु खरीदने के बाद उसे पता चलता है कि फैंसी चीजें आराम में मदद नहीं करती बल्कि खलल उत्पन्न करती हैं|

(ग) महामारी की त्रासदी से जूझते हुए ग्रामीणों को ढोलक की आवाज संजीवनी शक्ति की तरह मौत से लड़ने की प्रेरणा देती थी| यह आवाज बूढ़े-बच्चों व जवानों की शक्तिहीन आंखों के आगे दंगल का दृश्य उपस्थित कर देती थी| उनकी स्पंदन शक्ति से शून्य स्नायु में भी बिजली दौड़ जाती थी| उसे सुनकर मरते हुए प्राणियों को अपनी आंखें मूंदते समय कोई तकलीफ नहीं होती थी| उस समय वे मृत्यु से नहीं डरते थे|

प्र.14 उत्तर - 2x2=4

(क) जीजी ने कहा कि यदि हम इंद्रसेना को पानी नहीं देंगे तो इंद्र भगवान हमें पानी कैसे देगा| यह पानी की बर्बादी नहीं है| यह बादलों पर अर्ध्य चढ़ाना है| जो हम पाना चाहते हैं, उसे पहले दान देना पड़ता है| तभी हमें वह बढ़कर मिलता है| ऋषि-मुनियों ने दान को सबसे ऊंचा स्थान दिया है|

(ख) * शारीरिक वंश परंपरा के आधार पर |

* सामाजिक उत्तराधिकार अर्थात सामाजिक परंपरा के रूप में माता-पिता की प्रतिष्ठा, शिक्षा, ज्ञानार्जन आदि उपलब्धियों के लाभ पर |

* मनुष्य के अपने प्रयत्न पर |

(ग) बाज़ारुपन से तात्पर्य है दिखावे के लिए बाजार का उपयोग| बाजार छल व कपट से निरर्थक वस्तुओं की खरीद फरोख्त, दिखावे व ताकत के आधार पर होने लगती है तो उसे बाजार का बाजारुपन कहते है |